5. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) विश्व फलक पर हिन्दी किन रूपों में विद्यमान है—उस पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

अथवा

विश्व हिन्दी सम्मेलनों के आयोजन से हिन्दी के पक्ष में बनने वाले अनुकूल वातावरण पर चर्चा कीजिए।

(ख) नामकरण की सार्थकता की दृष्टि से 'लाल पसीना' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

अथवा

कुंदन की चारित्रिक विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ग) 'कोख का किराया' शीर्षक कहानी के प्रतिपाद्य को प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

कहानी-कला की दृष्टि से 'साँकल' कहानी की समीक्षा कीजिए।

★★★

2025

HINDI

(Regular Elective)

Paper : HIN-RE-6016/6026/6036

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

Answer the questions from *any* **one** Option

OPTION—A

Paper : HIN-RE-6016

(छायावाद)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'कामायनी' महाकाव्य का रचनाकार कौन है?

(ख) "मेरे नाविक! धीरे-धीरे" पंक्ति में कवि ने 'नाविक' शब्द का किस अर्थ में प्रयोग किया है?

(ग) 'हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो' शीर्षक गीत किस नाटक में सन्निविष्ट है?

(घ) 'राम की शक्तिपूजा' किसकी रचना है?

(ङ) कवि ने 'स्नेह निर्झर' बह जाने के बाद के शरीर की तुलना किससे की है?

(च) पंत का जन्म कब हुआ था?

(छ) 'युगांत' काव्य-संकलन का प्रकाशन-वर्ष क्या है?

(ज) 'अहे सुख-दुख के सहचर _____' रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(झ) 'धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ वसंत-रजनी' कविता का रचयिता कौन है?

(ञ) महादेवी वर्मा को उनके किस काव्य-संकलन के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) कौन-से कवि 'छायावाद के चार स्तंभ' की आख्या से अभिहित हैं?

(ख) "सरस तामरस गर्भ विभा पर—नाच रही तरुशिखा मनोहर।
छिटका जीवन हरियाली पर—मंगल कुंकम सारा।"
—ये पंक्तियाँ किस कवि द्वारा रचित हैं और किस कविता से उद्धृत हैं?

(ग) 'जूही की कली' शीर्षक कविता में नायक और नायिका के रूप में किनको चित्रित किया गया है?

(घ) "द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र" प्रस्तुत काव्य-पंक्ति में 'जीर्ण पत्र' से क्या अभिप्राय है?

(ङ) महादेवी वर्मा के किन्हीं दो काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'ले चल वहाँ भुलावा देकर' कविता के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) निराला की कविताओं की किन्हीं दो कलापक्षीय विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ग) 'संध्या सुंदरी' शीर्षक कविता में कवि ने संध्या के रूप-सौन्दर्य का वर्णन किस प्रकार किया है?

(घ) पठित कविता के आधार पर भारतमाता के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(ङ) 'मधुर वह था जीवन' की मूल संवेदना को रेखांकित कीजिए।

(च) 'धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ वसंत रजनी' शीर्षक कविता में किस प्रकार प्रमुख छायावादी काव्य-प्रवृत्तियों का चित्रण हुआ है, खुलासा कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अधरों के मधुर कगारों में
कल-कल ध्वनि की गुंजारों में।
मधु सरिता-सी यह हँसी तरल
अपनी पीते रहते हो क्यों?

अथवा

झंझा है दिग्भ्रांत रात की मूर्छा गहरी
आज पुजारी बने, ज्योति का यह लघु प्रहरी,
जब तक लौटे दिन की हलचल,
तब तक यह जागेगा प्रतिपल,

(ख) छायावादी काव्य-धारा में निराला का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

'स्नेह निर्झर' कविता का भावार्थ लिखिए।

(ग) पठित कविताओं के आधार पर पंत की सौन्दर्य-चेतना का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

'मौन निमंत्रण' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

(घ) महादेवी वर्मा की पठित कविताओं के प्रमुख स्वरों को रेखांकित कीजिए।

अथवा

जयशंकर प्रसाद की पठित कविताओं की भावपक्षीय विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

OPTION—B

Paper : HIN–RE–6026

(प्रेमचंद)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) प्रेमचंद के बचपन का नाम क्या था?

(ख) प्रेमचंद ने अपने किस उपन्यास में विवाह से जुड़ी समस्याओं को चित्रित किया है?

(ग) प्रेमचंद के अपूर्ण उपन्यास को किसने पूरा किया था?

(घ) प्रेमचंद ने कुल कितने नाटक लिखे थे?

(ङ) प्रेमचंद के किसी एक समकालीन उपन्यासकार का नामोल्लेख कीजिए।

(च) "इतनी लौ खुदा से लगाते, तो वली हो जाते।" यह किसका कथन है?

(छ) प्रेमचंद की कहानियों का संकलन कितने भागों में प्रकाशित हुआ?

(ज) शांता कौन है?

(झ) "साहित्य का लक्ष्य केवल महफिल सजाना और _____ का सामान जुटाना नहीं है।"
(रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

(ञ) हामिद कौन है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) प्रेमचंद का जन्म कब और किस शहर में हुआ था?

(ख) 'सेवासदन' के अतिरिक्त प्रेमचंद के किन्हीं दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

(ग) प्रेमचंद के अनुसार उत्तम साहित्य किसे माना जाता है?

(घ) "उसके पास न्याय का बल है और नीति की शक्ति।" —कथाकार ने ऐसा क्यों कहा?

(ङ) "मैं मरते-मरते बचा, तुझे अपने खेत की पड़ी है। पेट में ऐसा दर्द हुआ कि मैं ही जानता हूँ।" —उक्त कथन किसका है और किससे कहा गया है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'साहित्य का उद्देश्य' शीर्षक निबंध की किन्हीं तीन भाषा शैलीगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ख) 'सेवासदन' उपन्यास के नामकरण की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

(ग) गजाधर प्रसाद की चारित्रिक विशेषताओं पर आलोकपात कीजिए।

(घ) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'ईदगाह' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(च) 'दो बैलों की कथा' की संवाद-योजना पर एक टिप्पणी लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"यह दालमंडी हमारे ही जीवन का कलुषित प्रतिबिम्ब, हमारे ही पैशाचिक अधर्म का साक्षात् स्वरूप है। हम किस मुँह से उनसे घृणा करें। उनकी अवस्था बहुत शोचनीय है। हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें सुमार्ग पर लाएँ, उनके जीवन को सुधारें और यह तभी हो सकता है, जब वे शहर के बाहर दुर्व्यसनों से दूर रहें।"

अथवा

यह खेती का मजा है और एक भगवान ऐसे पड़े हैं, जिनके पास जाड़ा जाय तो गरमी से घबड़ाकर भागे। मोटे-मोटे गद्दे, लिहाफ, कम्बल हैं। मजाल है जाड़े की गुजर हो जाय।

(ख) मुंशी प्रेमचंद की साहित्यिक देन पर एक लेख लिखिए।

अथवा

'साहित्य का उद्देश्य' शीर्षक निबंध के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

(ग) सामाजिक उपन्यास के रूप में 'सेवासदन' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

सुमन और भोली की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(घ) कथ्य की दृष्टि से 'पंच परमेश्वर' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'दो बैलों की कथा' शीर्षक कहानी के दोनों बैलों की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

OPTION—C

Paper : HIN–RE–6036

(विश्व में हिन्दी एवं प्रवासी हिन्दी साहित्य)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) विश्व हिन्दी दिवस किसलिए 10 जनवरी को मनाया जाता है?

(ख) 'विश्व हिन्दी पत्रिका' किस संस्थान की ओर से निकाली जाती है?

(ग) नागपुर में अनुष्ठित प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन का उद्घाटन किनके द्वारा हुआ था?

(घ) महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय भारतवर्ष के किस शहर में स्थित है?

(ङ) 'लाल पसीना' उपन्यास के रचयिता अभिमन्यु अनत का जन्म 1937 ईस्वी में किस दिवस को हुआ था?

(च) 'लाल पसीना' उपन्यास में उल्लिखित 'मारीच देसवा' का तात्पर्य बताइए।

(छ) 'लाल पसीना' उपन्यास के प्रथम परिच्छेद में चर्चित दोनों भिक्षुक नाविक कहाँ के थे?

(ज) बीफी डेविड इंग्लैण्ड की किस फुटबॉल टीम का सेंटर-फॉरवर्ड खिलाड़ी था?

(झ) बच्चा जनने के लिए सीमा कहाँ भेज दी गयी थी?

(ञ) मार्क मक्लीन से नीमा की दोस्ती किसके जरिए हुई थी?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) अभिमन्यु अनत द्वारा विरचित किन्हीं दो उपन्यासों ('लाल पसीना' से भिन्न) के नाम बताइए।

(ख) आठवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन अमरीका के किस शहर में और किस अंतर्राष्ट्रीय संगठन के मुख्यालय में सम्पन्न हुआ था?

(ग) "दो तरह की चीनी होती है, एक बहुत ही मीठी जो गोरे जमीन्दारों के लिए विशेष होती है और दूसरी पनछोछा और तीखी जिसमें कूलियों का खून और पसीना मिल जाता है।" —किसने, किससे ऐसा कहा है?

(घ) जेफ़ ('कोख का किराया') का परिचय दीजिए।

(ङ) नीरा ('साँकल') की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) हिन्दी के वैश्वीकरण का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) विदेशों में हिन्दी की लोकप्रियता को बढ़ाने में हिन्दी फिल्मों एवं हिन्दी गीतों की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'लाल पसीना' उपन्यास में सत्या की भूमिका को रेखांकित कीजिए।

(घ) "अनत के पात्र अपने द्वीप से जुड़े लोग हैं और यह द्वीप उनकी विरासत है; क्योंकि वे लोग यहाँ दर्द के साथ पहुँचे थे और यहाँ आकर उन्होंने राम के धनुष को थामा।" —'लाल पसीना' उपन्यास के पात्रों के संदर्भ में की गयी इस टिप्पणी का तात्पर्य बताइए।

(ङ) 'साँकल' कहानी के संदेश को स्पष्ट कीजिए।

(च) "यहाँ घर बनाने कोई नहीं आया है। सबको लौट जाना है एक दिन। इस फुटपाथ के चौकोर टाइलों की तरह, जो हर चलने वाले के साथ हैं—पर किसी के साथ नहीं।" प्रस्तुत अवतरण का संदर्भ एवं आशय स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

"शायद हर भारतीय का यही तरीका है—वे या तो अपने चौखाने पार नहीं करते, या हजारों चौखाने पार करते हुए अपने चौखानों पर वापस लौट आते हैं। शायद इसीलिए दुनिया में कहीं भी रहें, चौखानों की भीड़ में वे खोते नहीं। हर बार मेन रोड पर मिल जाते हैं... जिन्दगी में भी।"

अथवा

"सूरज पसीने को नहीं पीता। उसे अपने ठंडे हो जाने का डर रहता है। शायद यही कारण हो कि मज़दूर भी अपने पसीने से अपनी प्यास को नहीं बुझा पाता। पर यह परहेज धरती को नहीं था। मजदूरों के माथों से छूटती हर बूँद को धरती पीती गई।"